P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

देवली तहसील में कार्यात्मक संबद्धता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Analytical Study of Functional Connectivity in Deoli Tehsil

जुबेर ख़ान
सहायक आचार्य,
भूगोल विभाग,
राजकीय महाविद्यालय,
बूंदी, राजस्थान, भारत

निकिता मंगल
व्याख्याता,
भूगोल विभाग,
रा0 उ0 मा0 विद्यालय,
ओंकारपुरा, बूंदी, राजस्थान,
भारत

सारांश (Abstract)

प्रस्तुत शोध पत्र में टोंक जिले की देवली तहसील में कार्यात्मक संबद्धता के स्थानिक प्रतिरूपों को उजागर करने हेतु विश्लेषण किया गया है। इस हेतु अध्ययन क्षेत्र में आबाद 170 अधिवासों को अध्ययन की एक इकाई माना गया है। कार्यात्मक संबद्धता का विश्लेषण करने के लिए बैंकिंग, उर्वरक एवं कीटनाशक, सहकारी समितियां, पशु चिकित्सा, ईंधन आपूर्ति जैसी सेवाओं की प्राप्ति हेतु विभिन्न अधिवासों का सड़क मार्ग द्वारा अपने निकटवर्ती सेवा केंद्रों तक पहुंच का विश्लेषण किया गया है तथा इस आधार पर विकसित प्रतिरूपों को मानचित्र द्वारा प्रदर्शित किया गया है। अंत में निम्न सेवाओं की प्राप्ति हेतु कुछ अधिवासो को अपने निकटवर्ती सेवा केंद्रों से दूर जाकर इन सेवाओं को प्राप्त करने के कारणों को बताया गया है।

In the presented paper, analysis has been done to uncover the spatial patterns of functional Connectivity in Deoli tehsil of Tonk district. For this, 170 habitats settled in the study area have been considered as a unit of study. In order to analyze functional Connectivity, various habitats for accessing services like banking, fertilizers and pesticides, cooperatives, veterinary, fuel supplies, access to their nearest service centers by road have been analyzed and models developed on this basis Is displayed by the map. Finally, in order to get the following services, some residents have been told the reasons for moving away from their nearest service centers.

मुख्य शब्द : कार्यात्मक संबद्धता, स्थानिक प्रतिरूप, सहकारी समिति,पशु चिकित्सा, उर्वरक एवं कीटनाशक, सेवा केंद्र ।

Keyowrds : Functional Connectivity, Spatial Models, Cooperatives, Veterinary, Fertilizers And Pesticides, Service Centers.

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध पत्र में टोंक जिले की देवली तहसील में विद्यमान विभिन्न सेवाओं की कार्यात्मक संबद्धता के स्थानिक प्रतिरूपों को उजागर किया गया है जिसमें देवली तहसील के आबाद 170 अधिवासों को अध्ययन की एक इकाई माना गया है। कार्यात्मक संबद्धता को सड़क प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। क्योंकि सड़क प्रणाली किसी भी केंद्र तक पहुंचकर छोटे–छोटे उपभोक्ताओं को सेवा केंद्रों तक जोड़ती है ,साथ ही अन्य परिवहन माध्यम के लिए सहायक का कार्य करती है। अध्ययन क्षेत्र में क्योंकि रेल सेवा का अभाव है इसलिए सड़क मार्गों से ही कार्यात्मक संबद्धता को बताने का प्रयास किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के अधिकांश भाग पर सड़क मार्गों की गम्यता 0 से 4 किलोमीटर के मध्य है।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन क्षेत्र में आबाद 170 अधिवासों का अपने निकटवर्ती सेवा केंद्रों से कार्यात्मक संबद्धता का विश्लेषण करना तथा इस आधार पर विकसित कार्यात्मक संबद्धता के प्रतिरूपों को उजागर करना।

विधि तंत्र

अध्ययन क्षेत्र में कार्यात्मक संबद्धता को उजागर करने हेतु बैंकिंग, उर्वरक एवं कीटनाशक,सहकारी समितियां, पशु चिकित्सा, ईंधन आपूर्ति जैसी सेवाओं को आधार माना गया है तथा इन सेवाओं की प्राप्ति हेतु प्रत्येक अधिवास सड़क मार्ग द्वारा अपने निकटवर्ती सेवा केंद्र से संबद्ध माना गया है। इस आधार

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

पर विश्लेषण करते हुए प्रत्येक सेवा के आधार पर कार्यात्मक संबद्धता के स्थानिक प्रतिरूपों का विश्लेषण कर मानचित्र द्वारा प्रदर्शित किया गया है

अध्ययन क्षेत्र

देवली तहसील टोंक जिले के दक्षिणी छोर पर $25^0$44′ उत्तरी अक्षांश से $25^0$58′ उत्तरी अक्षांश तथा $75^0$10′ पूर्वी देशान्तर से $75^0$52′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। अध्ययन क्षेत्र की दक्षिणी सीमा पर जहाजपुर तहसील स्थित है। तहसील के पश्चिम में केकड़ी तहसील अपनी सीमा बनाती है। उत्तर में टोडारायसिंह, उनियारा व टोंक तहसीलों की सीमा अध्ययन क्षेत्र को स्पर्श करती है। पूर्व में हिंडोली तहसील अपनी सीमा बनाती है। तहसील 1228.35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है। तथा 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 214408 है।

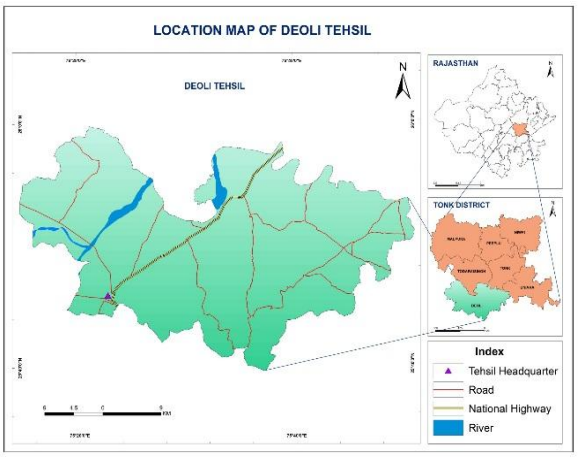

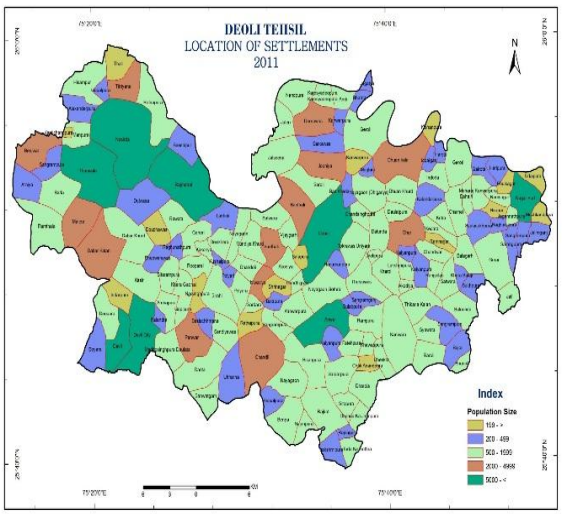

कार्यात्मक संबद्धता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

कार्यात्मक संबद्धता से तात्पर्य है कि विभिन्न अधिवास भिन्न–भिन्न कार्यों के द्वारा एक दूसरे से किस प्रकार अंतर्संबंधित है। प्रत्येक अधिवास में सभी प्रकार की सुविधाएं हो ऐसा होना संभव नहीं है । प्रायः छोटे अधिवास अपनी आवश्यक सुविधाओं हेतु बड़े अधिवासों पर निर्भर होते हैं। लेकिन छोटे अधिवास इन सुविधाओं का लाभ तभी उठा पाएंगे जब बड़े अधिवासों तक इनकी पहुंच आसान हो अर्थात् समय व ऊर्जा में न्यूनतम व्यय व अपेक्षाकृत कम व्यवधान के साथ सुगमतापूर्वक संपर्क स्थापित हो सके। इन बड़े अधिवासों का अस्तित्व भी सड़कों की अभिगम्यता पर निर्भर करता है। अध्ययन क्षेत्र में सड़क मार्गों से ही अभिगम्यता का अध्ययन किया गया है क्योंकि अध्ययन क्षेत्र में रेल सेवा नहीं है।

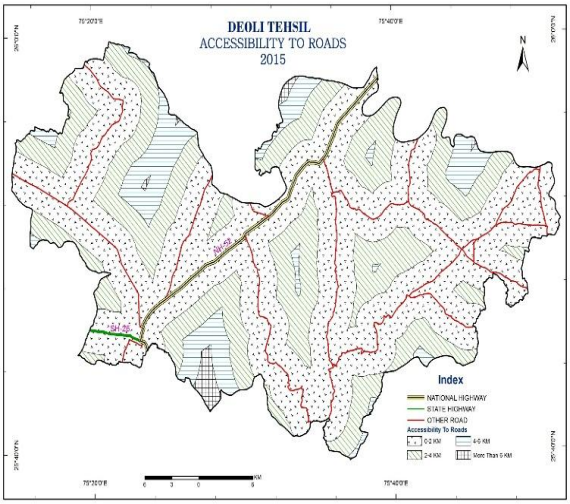

अध्ययन क्षेत्र में सड़कों की अभिगम्यता को मानचित्र संख्या 1.3 में दर्शाया गया है जिससे स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के अधिकांश भाग पर सड़क मार्गों की गम्यता 0 से 4 किलोमीटर के मध्य है। 6 किलोमीटर से अधिक की सड़क अभिगम्यता बहुत कम है।

अध्ययन क्षेत्र में निम्न कार्यों को आधार मानकर कार्यात्मक सम्बद्धता को बताने का प्रयास किया गया है:–

बैंकिंग

अध्ययन क्षेत्र के 170 अधिवासों में से मात्र 15 अधिवासों में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध है। ये 15 अधिवास अपने आस–पास के अधिवासों को सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। तहसील के उत्तर–पूर्व में स्थित घाड़ 20 अधिवासों को, नगर फोर्ट 17 अधिवासों को अपनी सेवाएं दे रहा है। तहसील के पूर्व में स्थित आवां 14 अधिवासों को, पनवाड़ 13 अधिवासों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। तहसील के 23 केन्द्र तहसील के बाहर स्थित उनके निकटवर्ती केन्द्रों से इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

उर्वरक एवं कीटनाशक

अध्ययन क्षेत्र में 170 अधिवासों में से 40 अधिवासों में लाईसेंस प्राप्त व्यक्ति उपरोक्त सेवा दे रहे हैं। अध्ययन क्षेत्र के उत्तर–पूर्व में स्थित केन्द्र चारनेट सर्वाधिक अधिवासों को इस सेवा का लाभ दे रहा है। तहसील के कुछ अधिवास इस सेवा का लाभ लेने के लिये अध्ययन क्षेत्र के बाहर की तहसीलों को भी जाते हैं।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

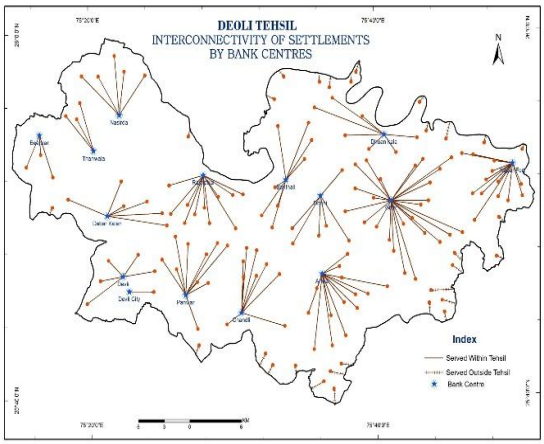

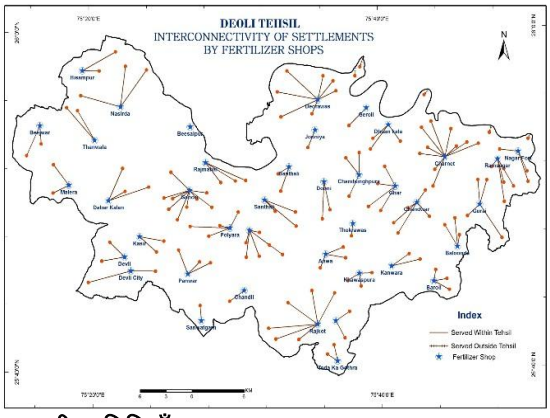

सहकारी समितियाँ

अध्ययन क्षेत्र के 170 अधिवासों में से 29 अधिवासों में सहकारी समितियां स्थित हैं। इनमें कुछ अधिवासों में कृषि सहकारी समिति, कुछ में अकृषि सहकारी समिति, स्थित है। अध्ययन क्षेत्र में इस सुविधा को वितरण सर्वव्यापी है। तहसील के उत्तर–पूर्व में स्थित केन्द्र गुरई सर्वाधिक अधिवासों को इस सुविधा का लाभ दे रहा है। तहसील के दक्षिण–पूर्व तथा उत्तर–पूर्व में स्थित कुछ अधिवास निकटता के कारण तहसील के बाहर के केन्द्रों से भी इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

पशु चिकित्सा

देवली तहसील के 170 अधिवासों में से 9 अधिवासों में पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। तहसील के उत्तर–पूर्व में स्थित केन्द्र घाड़ में स्थित पशु चिकित्सालय सर्वाधिक अधिवासों को सेवाऐं दे रहा है। अध्ययन क्षेत्र के उत्तर–पूर्व तथा दक्षिण–पूर्व में स्थित कुछ अधिवास इस सुविधा का लाभ लेने के लिये अध्ययन क्षेत्र की निकटवर्ती तहसीलों के केन्द्रों पर भी जाते हैं।

ईंधन आपूर्ति

अध्ययन क्षेत्र में परिवहन के साधनों का विकास तो अधिक है, परन्तु ईंधन आपूर्ति की दृष्टि से अध्ययन क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। अध्ययन क्षेत्र में मात्र 16 पेट्रोल–डीजल पम्प है जो दस केन्द्रों में अवस्थित है जो देवली नगरीय केन्द्र, दोलता, दूनी, राजमहल, नगरफोर्ट, सरोली, घाड़, सिरोही, भरना, देवड़ावास में स्थित है। तहसील मुख्यालय देवली में तीन पेट्रोल पम्प स्थित है जो अपने निकट स्थित 29 अधिवासों को यह सुविधा उपलब्ध करा रहा है। अध्ययन क्षेत्र के दक्षिण–पूर्व तथा उ0–पूर्व में स्थित कुछ अधिवास निकटता के कारण अपनी निकटवर्ती तहसीलों के केन्द्रों पर ईंधन आपूर्ति के लिये जाते हैं।

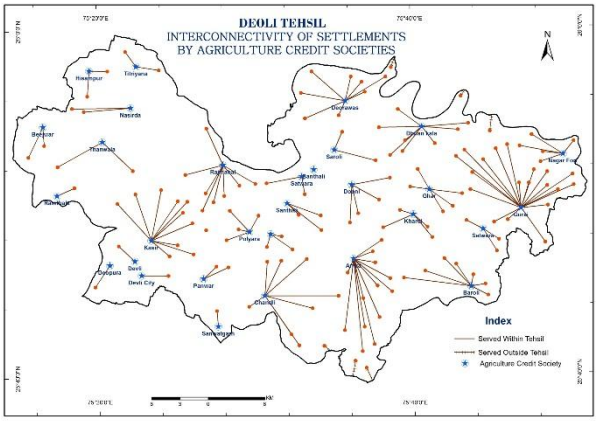

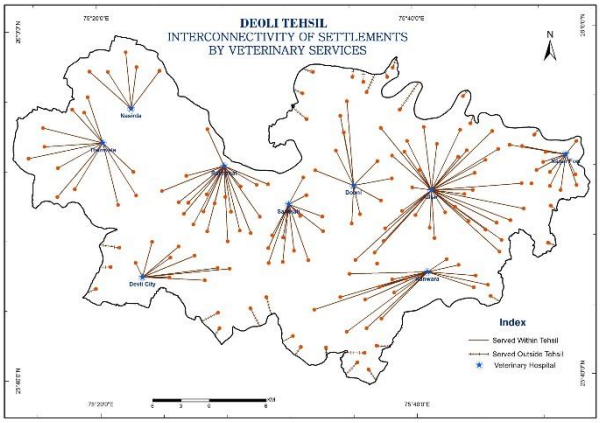

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न सेवाओं की कार्यात्मक संबद्धता के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जिन अधिवासों में सेवाएं विद्यमान है वह अपने आसपास के अधिवासों को सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं और जिन अधिवासों में सेवाओं का अभाव है वे अपने निकटवर्ती अधिवासों से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं लेकिन जो अधिवास अपने ही अध्ययन क्षेत्र में स्थित उपलब्ध सेवाओं का लाभ सड़क अभिगम्यता के अभाव में नहीं उठा पा रहे हैं वे निकटवर्ती दूसरी तहसील के अधिवासों से इसका लाभ ले रहे हैं।

किसी अधिवास में सेवाओं का एकत्रीकरण आर्थिक विकास में सहायक होता है लेकिन समय के साथ ऐसे केंद्र क्षेत्र में असमानता उत्पन्न करते हैं और इसे दूर करने के लिए आर्थिक विकास से अछूते क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार करने पर आर्थिक वृद्धि को शुरू किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Agrwal, P.C. (1973) "Regional Geography and Regional planning" 21st Int. Geo. Cong. proceeding, Nat. Com. for Geo. Calcutta, pp. 198-200.

Agrwal, P.C. (1976) "Geography and planning for Regional Development of Baster District, M.P. in Essays in Applied Geography Mishra, V.C. et al., (Eds), University of Sagar, pp.229-240.

Anderson, N. "Aspect of the Rural and Urban", Sociologial Burlis, Vol. 3, 1963, PP 8-22.

Bhattacharya, B. "Factors determining the central functions and urban hierarchy of North Bengal'' G.R.I., 34, p. 327-338, 1972.

Carol, H."Hierarchy of central functions with in the city'' A.A.A.G. vol. P. 419-438, 1960.

Carruthers, W.I. "A classification of service centers in England and Wales'' Geographical Journal, Vol. 23, p. 371-386, 1957.

Dhiman, R.P.S. "Identification and Spacing of service centers''; A case study of Morabad District' The Geographical Observer, Meerut, Vol. 12, March, p. 20-28, 1976.

Lal, Amrit. "Some Aspects of Fictional Classification of Cities and a proposed scheme for classifying Indian Cities'' N.G.J.I. Vol. V, Pt. 1, p. 12-24, 1959.

Census Publications

District census hand book of Tonk 2011.

Census of India, district Tonk 2011.

Journals

National Geographical journal of India.

Deccan Geographer.

Indian journal of agricultural economics.